

असाधारण

# **EXTRAORDINARY**

भारा II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रक'शित'

# PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 42.

नदी दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 30,1977/ब्रादिवन 8, 1899

No. 422]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 30, 1977/ASVINA 8, 1899

इस भाग में भित्र पष्ठ पंख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th September 1977

SO. 695(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E), dated the 1st October, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that (a) chactments or portions thereof, as the case may be, specified in the Schedule to the said Order shall not apply to the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Co. Ltd., Amritsar (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar (hereinafter referred to as the said factory), and (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory, or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette and all the rights, privileges obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October, 1975,

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No SO 643(E), dated 29th September, 1976, the duration of the said Order was extended upto the 30th September, 1977,

And whereas the Central Government 18 satisfied that the duration of the said Order should be extended by a further period upto and inclusive of the 31st of March, 1978;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1978.

[No. 4/3/74-CUC]

B R. R. IYENGAR, Jt. Secy.

#### उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

### ग्रादेश

नई दिल्ली,, 30 सितम्बर, 1977

का॰ भा॰ 695(म्र).--केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास भीर विनियमन) म्रधि-नियम, 1951 (1951 का 65) को घारा 18 च ख को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करा हुएं भारत सरकार के भृतपूर्व उद्योग श्रौर नागरिक पूर्ति मन्नालय मोबोगिक विकास विभाग ले मादेश सख्या का० म्रा० 566(म्र), तारीख 1 म्रक्टूबर, 1975 (जि हे इस ने इसके पश्चात उक्त आदंश कहा गया है) द्वारा यह घोषणा की थी कि (क) उन्त प्रादेश की प्रतुसूची मै विनिर्दिष्ट यथास्थिति, प्रधिनियमित्ततिया या उनके प्रभाग भ्रमृतपर भगर मिला कम्पनी लिमिटेड, भ्रमृतसर नामक श्रीबोगि । उपक्रम को (जिसे इसमे इसके पश्चा व उक्त भ्रोद्योगिक उपक्रम कहा गया है), जहां तक उसका संबंध भ्रमृतसर भ्रायल वर्स, अभुतसर नामक कारखाने से है (जिरे इसर्ने इसके पश्चात उक्त कारखाना कहा गया है) लागु नहो होंगे, श्रीर (ख) ऐसी सभी प्रवत संविदाग्रों, संपत्ति के हस्तान्तरण-पवो, करारों ध्यबस्यानों, पंचाटों, स्थायी आदेशो या श्रन्य लिखतों (उनसे भिन्न जिनका संबंध बैंकों भीर वितोप सस्याम्रो के प्रतिमति दायित्वो से है) का प्रवतन जिनका, उक्त भौद्योगिक उपत्रम, जहा तक उनका संबंध उक्त कारखाने से है, एक पक्षकार है, या जो उसे राजपन्न मे उक्त मादेश के प्रकाशन को तारोख से ठीक पूर्व लागू हो, भीर उक्त तारीख के पूर्व उनके प्रधीन प्रोदभत या उदमुन सभी प्रविकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं श्रौर दायित्व 1 ग्रक्टबर, 1975 से प्रारम्म होते वानी एक वर्ष की स्रवधि तक निलंबित रहेगे

भ्रौर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भ्रौद्योगिक विकास विभाग) की भ्रादेश सं० का० भ्रा० 643(भ्र), तारीख 29 सितम्बर, 1976 द्वारा उक्त श्रादेश की भ्रविध 30 सितम्बर, 1977 तक बढ़ादी गई थी

श्रीर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त श्रादेश की अवधि 31 भार्च, 1978 तक जिसो यह दिन भी सम्मिलित है, के लिए श्रीर कहा दी जानी चाहिए;

श्रत., श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिष्ठिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रादेश की श्रविध 31 मार्च, 1978 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, के लिए श्रीर बढ़ाती है।

बी० आर० आर० आयंगर, संयुक्त सचिव।